LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(MR. SPEAKER *in the Chair*).

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Dry Fruit Trading Corporation

\+

*561. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:
DR. MAHIPATRAY MEHTA:

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state:

(a) whether he had mooted a proposal for a Dry Fruit Trading Corporation;

(b) whether the proposal has not been favoured by the Finance Ministry; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The proposal is being processed.

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह प्रस्ताव किस मंत्रालय को कब भेजा गया था तथा उक्त प्रस्ताव में निगम के क्या फंक्शन हैं और उस में कितना रुपया खर्च करने का अनुमान किया गया है ?

श्री एल० एन० मिश्र : यह हम लोगों ने निर्णय किया कि बाहर के सूखे फलों को लाने के लिए एक ट्रेडिंग कारपोरेशन बनाया जाये । इस का प्रस्ताव विभिन्न मंत्रालयों को भेजा गया है । विभिन्न मंत्रालयों से उत्तर आये हैं वित्त मंत्रालय से भी उत्तर आया है और हम मिल जुल कर आपस में विचार विमर्श कर रहे हैं कि जो मूल सुझाव हैं थोड़ा उस में हेर फेर करना होगा । वित्त मंत्रालय तदनुसरा उस में कुछ हेरफेर करना चाहता है ।

जहां तक पूंजी की बात है यह ट्रेडिंग कारपोरेशन होगा और उसके बारे में अभी कहना मुश्किल है लेकिन कोई एक, दो करोड़ रुपये की बात होगी ।

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा : इस व्यापार निगम द्वारा कब से अपना काम आरम्भ करने की आशा की जाती है ?

श्री एल० एन० मिश्र : इस बारे में निश्चित तिथि बतलाना इसलिए भी कठिन है कि दूसरे देश खास कर अफगानिस्तान को राजी करना होगा कि वह अपने सूखे मेव प्राइवेट लोगों को न देकर इस ट्रेडिंग

कारपोरेशन को दे । इसलिए मैंने कहा कि इस ट्रेडिंग कारपोरेशन के कार्य प्रारम्भ करने की तिथि निश्चित करना केवल हम पर निर्भर नहीं है अपितु यह दूसरे देशों जैसे ईरान, ईराक व अफगानिस्तान की इस सम्बन्ध में सहमति पर निर्भर करेगा । यही कारण है कि हम अभी कोई तिथि उस की नहीं बतला सकते हैं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मंत्री जी ने कहा कि हमारा व्यापार निगम कब से अपना काम शुरू करेगा इस के लिए हम विदेशों से भी सम्मति लेंगे और सहमत करायेंगे कि वह अपना माल सीधा व्यापारियों को न दें तो मेरा कहना है कि जब हम स्वयं अपना इस तरह का निगम इस काम के लिए बना देंगे तो फिर भारत का कोई भी व्यापारी सीधे तौर पर व स्वतंत्र रूप से विदेशों से सूखे मेवे यहां नहीं मंगा सकता है अपितु इस व्यापार निगम के द्वारा ही मंगा सकता है । ऐसी हालत में मेरी समझ में इस बारे में विदेशों से सलाह व उनकी सहमति लेने की कोई आवश्यकता नहीं है । इसलिए क्या मंत्री जी इसे मानने को तैयार हैं कि इस तरह का नियम जल्दी ही बनाया जाय ताकि जो भी कोई व्यक्ति यहां का बाहर से सूखे मेवे मंगाये वह इस निगम की मार्फत ही मंगाये और वह उस से बंधा हो उपभोक्ताओं को मुनासिब कीमत पर मेवे उपलब्ध हो सकें ?

श्री एल० एन० मिश्र : ठीक है और इस से इसलिए तय किया है चूंकि प्राइवेट लोग निजी लोग बहुत ज्यादा कीमत लेते हैं लेकिन चूंकि बेचने वाले बाहर के वह देश हैं इसलिए उन की सहमति भी आवश्यक है कि वह अपनी ट्रेड इस व्यापार निगम के मार्फत करेंगे या प्राइवेट कपेसिटी पर करना चाहेंगे । अब अगर वह इस पर राजी न हों कि ट्रेडिंग कारपोरेशन को वह अपना माल दें और वह कहें कि हम जाकर किन्हीं प्राइवेट लोगों को सीधे देंगे तो इस कठिनाई के कारण ही मैंने कहा है कि विदेशों की इस बारे में सहमति की पूरी आवश्यकता है । यह चीज बिना उन की पूरी सहमति के नहीं हो सकती है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : वह राजी होंगे ही नहीं ।

SHRI G. VISWANATHAN: The importers of dry fruits are now earning about 400 to 500 per cent of profit. Will the Minister give an assurance that this Corporation will earn the minimum profit and bring down the price of dry fruits?

SHRI L. N. MISHRA: That is the main objective of the Corporation.

Proposal to Develop Konarak, Chilka Lake and Gopalpur in Orissa as Tourist Centres

*562. SHRI D. K. PANDA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to develop Konarak, Chilka Lake and Gopalpur in Orissa as Tourist Centres by the Central Government; and